WOODS

2

हिंदी दर्पण

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

हिंदी दर्पण–2

1. भोर हुआ

(क) 1. पुत्र को 2. भोर 3. धरती 4. सूर्य **(ख)** धोलो, झूले, वर, पाई, छाया, सोओ **(ग)** 1. माँ बेटे को उठा रही है। 2. माँ प्रात:काल का वर्णन इन शब्दों में कर रही है–रात बीत गई, कमल के फूल खिल गए, उनके ऊपर भौंरे झूल रहे हैं, पेड़ों पर चिड़ियाँ चहक रही हैं, आसमान में न्यारी लाली छाई हुई है, धरती का दृश्य बहुत सुंदर हो गया है। 3. माँ बेटे से जल्दी उठने को इसलिए कह रही है ताकि वह सुबह के सुंदर दृश्यों का आनंद ले सके। 4. इस कविता के रचयिता अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध' हैं। **भाषा की बात– (क)** आँखें, मुँह, चिड़ियाँ, प्यारी **(ख) रात**–निशा, रजनी **पानी**–जल, नीर, **हवा**–पवन, समीर **सूरज**–सूर्य, दिनकर **(ग)** नीचे, कुरूप, बुरी, धूप, संध्या, दिन, देर, हानि **करने की बारी**– स्वयं करें।

2. मोर और सारस

(क) 1. सारस 2. मित्रता 3. नृत्य 4. घमंडी **(ख)** 1. 7 2. 7 3. 3 4. 3 **(ग)** 1. मोर सारस की हँसी उड़ाने लगा। 2. मोर और सारस अच्छे मित्र थे। 3. आकाश में पहुँचकर सारस बोला–''मित्र, आओ; अपने पंखों का उपयोग करते हुए मेरे साथ-साथ उड़ो।'' 4. मोर ने सारस का मजाक उड़ाया। सारस को अपने प्रति मोर के इस व्यवहार पर आश्चर्य हुआ। **भाषा की बात**–दूसरों, रंग-बिरंगी, हँसी, पसंद, पूँछ, पंख, ऊँचा, हूँ **(ख)** स्वयं करें। **(ग)** जाओ, नीचा, सुख, कुरूप, नापसंद, अप्रसन्न, शत्रुता (घ) पंखों, मोरों, पैरों, मित्रों, बातों, दोस्तो **करने की बारी**–स्वयं करें।

3. प्लास्टिक प्रदूषण

(क) 1. पॉलीथीन में 2. प्लास्टिक 3. प्लास्टिक 4. पॉलीथीन **(ख)** 1. 3 2. 7 3. 7 4. 3 5. 7 **(ग)** 1. प्लास्टिक से फैलने वाला प्रदूषण प्लास्टिक प्रदूषण है। 2. पॉलीथीन की सबसे बड़ी कमी यह है, कि यह प्राकृतिक रूप से विघटित नहीं होती। 3. प्लास्टिक प्रदूषण से बचने का सबसे अच्छा उपाय है कि जब भी हम कोई सामान ख़रीदने जाएँ, तो अपने साथ कपड़े का थैला अवश्य ले जाएँ। ज़रूरत पड़ने पर कागज़ के थैले-थैलियों का उपयोग करें। 4. पॉलीथीन का प्रयोग करने के बाद हमें उसे इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। **भाषा की बात–(क)** असंभव, अप्राकृतिक, अस्वच्छ, अस्वस्थ, असत्य, असहयोग **(ख)** 1. कौन मर गया है? 2. इसके ज़िम्मेदार कौन हैं? 3. बाज़ार से सामान कौन लाते हैं? 4. प्रदूषण कौन फैलाते हैं? **(ग)** स्वयं करें। **(घ) स्वच्छ**–साफ, शुद्ध **भूमि**–धरती, भू **जानवर**–पशु, मवेशी **करने की बारी**–स्वयं करें।

4. गोपाल की सच्चाई

(क) 1. गणित का 2. वह उदास हो गया। 3. मित्र से 4. महान नेता **(ख)** 1. 7 2. 7 3. 7 4. 3 5. 7 **(ग)** 1. अध्यापक ने बालक की कॉपी लेकर उत्तर जाँचा, तो वह बिल्कुल ठीक था। अध्यापक बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने उसकी पीठ थपथपाई और उसकी बहुत प्रशंसा की। 2. अपनी प्रशंसा सुनकर बालक इसलिए रोने लगा क्योंकि उसने प्रश्न अपने मित्र से हल करवाया था। उसे अपनी झूठी प्रशंसा सुनकर बहुत दु:ख हो रहा था। 3. गोपाल का उत्तर सुनकर अध्यापक का हृदय भर आया। वे गोपाल की सच्चाई से बहुत प्रभावित हुए। 4. अध्यापक ने बालक के भविष्य के बारे में कहा कि वह अवश्य हमारे देश का नाम ऊँचा करेगा। 5. गोपाल का पूरा नाम गोपाल कृष्ण गोखले था। **भाषा की बात–(क)** अवनति, उत्तर, प्रारंभ, अनादर, छात्र **(ख) बालक**–शिशु,

बच्चा **विद्यालय**–शिक्षालय, पाठशाला **हाथ**–हस्त, कर **घर**–मकान, भवन **(ग)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

6. सूरज और बादल

(क) 1. बादल 2. बादल 3. सूरज ने 4. वर्षा **(ख) पानी**-रानी, **काका**-राका, **बादल**- पागल, **धूप**-रूप, **दरवाज़ा**-मज़ा, **घड़े**-कड़े **(ग)** 1. आकाश में बादल छा जाने के कारण धूप चली गई। 2. स्वयं करें। 3. स्वयं करें। **भाषा की बात–बादल**–घन, जलद, **सूरज**-सूर्य, आदित्य, **घड़ा**-घट, कुंभ **(ख)** दर, दावा, वर, दरज़ा, वार **(ग)** 1. उसका नाम क्या है? 2. रमेश कहाँ जा रहा है? 3. यह गिलास किसने तोड़ा है? 4. माँ किसको बुला रही हैं? 5. अजय घर कब पहुँचा? **करने की बारी**–स्वयं करें।

7. परोपकारी बालक

(क) 1. रामपुर 2. स्कूल 3. किसान 4. मुख्यमंत्री **(ख)** 1. 3 2. 7 3. 3 4. 3 5. 7 **(ग)** 1. रास्ते में धर्मसिंह को एक बूढ़ी औरत मिली। 2. स्कूल गाँव से एक मील दूर था। 3. कर्मसिंह ने बूढ़ी औरत की ओर उपेक्षा की दृष्टि से देखा। 4. अध्यापक ने धर्मसिंह को देर से आने के कारण सज़ा दी। 5. बूढ़ी औरत के पास घास का गट्ठर रखा था। **भाषा की बात–(क)** 1. दयालु 2. दानी 3. भिखारी 4. शिक्षक 5. शिक्षार्थी **(ख)** 1. सुंदर 2. मैली 3. लाल 4. दस 5. पतली **(ग)** आशीर्वाद, दयनीय, मायूस, औरत, प्यास, स्कूल, अध्यापक, रास्ता **करने की बारी**–स्वयं करें।

8. रक्षाबंधन का त्योहार

(क) 1. पूर्णिमा के दिन 2. अंग 3. हुमायूँ को **(ख)** 1. 3 2. 3 3. 7 4. 3 **(ग)** 1. हाँ 2. रक्षाबंधन का त्योहार श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। 3. बहनें राखियाँ बाज़ारों में रंग-बिरंगी राखियों की दुकानों से लाती हैं। 4. रक्षाबंधन से हमें भाई-बहन के निश्छल स्नेह का संदेश मिलता है। **भाषा की बात–(क)** 1. उड़ते हैं। 2. होती है। 3. पड़ती है। 4. काट रहा है। 5. खेल रहे हैं। **(ख)** स्वयं करें। **(ग)** असहयोग, घृणा, छोटा, अमावस्या, रात, छल, अपवित्र, देवता **(घ) दिन**–दिवस, वार **भाई**–भ्राता, बंधु **देव**–देवता, निर्जर **पत्नी**–दारा, भार्या **राक्षस**–दनुज, असुर **करने की बारी**–स्वयं करें।

9. तपस्वी की सीख

(क) 1. एक तपस्वी को 2. राजा ने 3. बाग में 4. नीम का पत्ता **(ख)** 1. 7 2. 3 3. 7 4. 3 **(ग)** 1. राजा ने महल के झरोखे से एक तपस्वी को देखा। 2. राजा का पुत्र बड़ा दुष्ट था। वह प्रजा को बहुत तंग किया करता था। 3. राजा ने तपस्वी के लिए एक कुटिया बनवा दी। 4. एक दिन तपस्वी ने एक नीम का पौधा देखा। उसमें कुल दो पत्ते थे। 5. तपस्वी ने राजकुमार से नीम के पौधे का पत्ता चखने को कहा। **भाषा की बात–(क)** पुष्ट, कड़ा, दंग, कसर **(ख)** आत्मीयता, सफ़लता, दुष्टता, मनुष्यता **(ग) साधु**–संत, मुनि **राजा**–नृप, नरेश **बाग**–उपवन, बगीचा **जंगल**– वन, अरण्य **(घ)** झरोखे, पत्ते, कुटियाँ, बेटे, पौधे, कड़वे **करने की बारी**–स्वयं करें।

11. गुब्बारे

(क) 1. शमशेर 2. चार 3. धागों से 4. फट जाता है **(ख)** शमशेर, भेद, मोल, ओर, सँभाल, शोर **(ग)** 1. शमशेर एक गुब्बारे वाला है। 2. वह लंबे व गोल गुब्बारे लाया है। 3. क्योंकि ऐसा

नहीं करने से वह फट जाता है। **भाषा की बात–(क) मोल**–दाम, कीमत **हाथ**–कर, हस्त **जोर**–दबाव, ताकत **पैसे**–धन, दौलत **(ख)** स्वयं करें। **(ग)** पैर, चौड़ा, शुरू, नीचे, जाना, ले जाना। **करने की बारी**–स्वयं करें।

12. संकट का सामना

(क) 1. परीक्षाएँ 2. चार 3. पाँच बजे 4. एक गुब्बारेवाला **(ख)** 1. रवि ने गुब्बारेवाले से 2. रूपा की माँ ने रवि से **(ग)** 1. रवि जिस बिल्डिंग में रहता था, उसका नाम 'मधुवन' था। 2. बिल्डिंग में आग लगने के कारण हंगामा मचा था। 3. रूपा आग में घिर जाने के कारण भय से रो रही थी। 4. रवि ने गुब्बारे पर लिखा–''बिल्डिंग के पीछे रेत का ढेर है। पीछे की बालकनी से नीचे पड़ी रेत पर कूद जाओ।'' **भाषा की बात–(क) ल्द**–जल्दी, हल्दी **न्न**–अन्न, खिन्न **ब्ब**–अब्बा, डिब्बा **म्म**–अम्मा, सम्मान **न्य**–न्याय, न्यून **(ख)** स्वयं करें। **(ग)** बच्चे, परीक्षाएँ, गरमियाँ, छुट्टियाँ, गुब्बारे, धागे, मंज़िलें, आवाज़ें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

13. डाकू अंगुलिमाल

(क) 1. महात्मा बुद्ध का 2. गया 3. एक डाकू 4. चार **(ख)** 1. मुखिया ने महात्मा बुद्ध से 2. अंगुलिमाल ने महात्मा बुद्ध से 3. अंगुलिमाल ने महात्मा बुद्ध से **(ग)** 1. महात्मा बुद्ध गाँव में रात्रि विश्राम के लिए आए थे। 2. मुखिया ने महात्मा बुद्ध से यह प्रार्थना की, प्रभु, पास ही जंगल में डाकू अंगुलिमाल ने उत्पात मचा रखा है। गाँव के लोग उससे बहुत दुःखी हैं। आप जंगल से होकर यात्रा न करें। 3. वह जंगल से गुज़रने वाले यात्रियों को मारकर उनकी अंगुलियों की माला बनाकर पहनता था इसलिए उसका नाम अंगुलिमाल पड़ा। 4. महात्मा बुद्ध के उपदेश से अंगुलिमाल को अपने पापों का पश्चात्ताप हुआ और वह हिंसा छोड़कर अहिंसा का मार्ग अपनाता है। **भाषा की बात–(क)** आशीर्वाद, निश्चिंत, अतिथि, प्राण, अच्छा, वट **(ख)** 1. हिंसक 2. अतिथि 3. लुटेरा 4. निर्दय 5. सेवक **(ग)** स्वयं करें। **(घ)** बुद्धिमान, पुण्य, निर्भय, कर्तव्य **करने की बारी**–स्वयं करें।

14. होली-रंगों का त्योहार

(क) 1. रंगों का 2. मछली के आकार की 3. ये दोनों 4. प्रेम का **(ख)** 1. 7 2. 3 3. 3 4. 7 5. 3 **(ग)** 1. नेहा और केशव इसलिए प्रसन्न थे क्योंकि वे अपने माता-पिता के साथ रंग-गुलाल और पिचकारी ख़रीदने जा रहे थे। 2. बाज़ार में चारों तरफ़ गुलाल और अनेक प्रकार की पिचकारियाँ बिक रही थीं 3. होली का त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। 4. पिताजी ने बच्चों को समझाया–''बच्चो! होली का त्योहार ऊँच-नीच, छोटे-बड़े का भेदभाव मिटाता है। सबको एकसूत्र में पिरोता है तथा प्रेम का संदेश देता है। अतः किसी पर कीचड़, ग्रीस या अन्य गंदी चीजें नहीं डालनी चाहिए, इससे उसे हानि पहुँचती है। कभी-कभी आँखों में रंग चले जाने से आँखें ख़राब होने का भी डर रहता है, इसलिए सावधानी से रंग खेलना चाहिए।'' **भाषा की बात–(क)** स्वयं करें। **(ख)** खुशियाँ, दुकानें, टोलियाँ, चीज़ें, आँखें, पिचकारियाँ **(ग)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

16. कोयल

(क) 1. काला 2. मीठी 3. चिड़ियों की रानी 4. मेघ से **(ख)** घोली, आई, सिखाया, मानी, सिखलाई, रानी **(ग)** 1. आमों में मिश्री कोयल घोल रही है। 2. कोयल मेघों से पानी माँग रही है। 3. कोयल की मीठी बोली के कारण सभी उसे पसंद करते हैं। 4. कोयल की मधुर वाणी वर्षा ऋतु

में सुनाई पड़ती है। **भाषा की बात–(क) धरती**–भू, धरा **मेघ**–बादल, जलद **पानी**–जल, नीर **माँ**–जननी, माता **कोयल**–कोकिल, बसंतदूत **(ख)** कड़वी, रात, बुरा, रूठना, झूठ, सफेद **(ग)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

17. मैं हूँ लेखनी

(क) 1. पेन 2. इन दोनों में 3. सत्संगति 4. रूप **(ख)** 1. 3 2. 7 3. 3 4. 7 **(ग)** 1. समाज के सभी वर्ग, चाहे डॉक्टर हों, वकील हों, बाबू हों, विद्यार्थी हों, सभी लेखनी का प्रयोग करते हैं। 2. लेखनी उपन्यास, कहानियाँ, नाटक, निबंध इतिहास और कोश आदि लिखने में मनुष्य के काम आती है। 3. लोग बड़े ही स्नेह से लेखनी अपने हाथ में पकड़ते हैं और कभी-कभी तो अपने गालों और होठों का स्पर्श भी कराते हैं। 4. लेखनी की यह विशेषता है, कि वह मूर्खजनों की संगति कभी नहीं करती। उसे कुसंगति कभी नहीं भाती। **भाषा की बात–(क)** 1. मनुष्य 2. इच्छा 3. समृद्धि 4. क़लम **(ख) मनुष्य**–आदमी, मानव **कष्ट**– वेदना, दुःख **मुख**–मुँह, वदन **समाधान**–हल, उत्तर **गर्व**–घमंड, अभिमान **इच्छा**– अभिलाषा, कामना **(ग)** डॉक्टर, हॉस्पिटल, हॉकी, फुटबॉल, ऑपरेशन **करने की बारी**– स्वयं करें।

18. गैलिलियो गैलिली

(क) 1. पीसा में 2. गरीब 3. रेखागणित विषय 4. चाबी **(ख)** 1. 7 2. 3 3. 7 4. 7 **(ग)** 1. गैलिलियो की आरंभिक शिक्षा फ़्लोरेंस नगर में हुई। जब गैलिलियो कुछ बड़ा हुआ, तो उसके पिता ने गरीबी के कारण उसकी पढ़ाई रोक दी। 2. इसका कारण यह था, कि उसने अपनी पूरी फ़ीस जमा नहीं करवाई थी। 3. गैलिलियो को बचपन में देखी लैंप हिलनेवाली घटना की याद आई। 4. घड़ी में पेंडुलम की गति धीमी होने से पता चलता है कि वह रुकनेवाला है। उसके रुकने का अर्थ है, कि घड़ी में चाबी ख़त्म हो गई है। उसमें फिर से चाबी भरनी है। **भाषा की बात–(क)** सुबह, भीतर, जाना, ऊपर, छोटा, अमीरी, अधिक, पीछे **(ख)** मीठा, ठंडा, सुंदर, कोमल, चमकीला, हरा, तीखा, काला **(ग)** स्वयं करें। **(घ)** सीढ़ियाँ, कपड़े, फ़ैसले, बातें, चीज़ें, घड़ियाँ, नाड़ियाँ, चाबियाँ। **करने की बारी**–स्वयं करें।

20. कबीर के दोहे

(क) 1. खजूर 2. गुरु 3. अब 4. सभी को **(ख)** होय, कब, जाय, दूर, बताय **(ग)** 1. मीठी बोली बोलने से दूसरों का मन प्रसन्न होता है। 2. कल का काम अब करने का यह भाव है कि समय बीत जाने पर हो सकता है कि काम करने का मौका ही न मिले। 3. कवि ने अपनी बुराई देखने पर सबसे बुरा व्यक्ति स्वयं को कहा है। 4. क्योंकि गुरु ही ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग बताते हैं। **भाषा की बात–(क)** कल, अपना, विनाश, स्वयं को, पाना, किसके **(ख)** स्वयं करें। **(ग) ईश्वर**–प्रभु, परमात्मा **मुख**–वदन, मुँह **पेड़**–वृक्ष, पादप **साधु**–मुनि, संत **(ग)** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

21. ओणम

(क) 1. केरल में 2. श्रावण में 3. नौका-दौड़ 4. आरनमुला में **(ख)** 1. 7 2. 7 3. 3 4. 3 5. 3 **(ग)** 1. केरलवासियों के लिए ओणम का त्योहार वास्तव में वसंतोत्सव से कम नहीं है। 2. इस त्योहार का प्रमुख आकर्षण नौका-दौड़ है। 3. 'तिरुओणम' के दिन बड़े सवेरे, परिवार का हर सदस्य परिवार के मुखिया के हाथों से नए कपड़े लेकर पहनता है। घर के सभी सदस्य सुंदर ढंग से ओणम मनाने के लिए तरह-तरह की तैयारियों में जुट जाते हैं। 4. ओणम के अवसर पर लोग

विशेष प्रीतिभोज आयोजित करते हैं। प्रीतिभोज के बाद लोग अपनी-अपनी रुचि के अनुसार खेल-कूद, कविता-प्रसंग या नृत्य-गान में अपना समय व्यतीत करते हैं। **भाषा की बात–(क) पेड़**–वृक्ष, विटप **सूर्य**–दिनकर, दिवाकर **कपड़ा**– वस्त्र, चीर **हवा**–वायु, पवन **फूल**–प्रसून, कुसुम **पर्वत**–नग, पहाड़ **(ख)** 1. खिलाड़ी 2. कवि 3. धनवान 4. शिक्षक 5. अभिनेता **(ग)** महा + उत्सव, प्रकृति + इक, महा + उदय, प्रकाश + इत, सर्व + उदय, शक्ति + मान, पर + उपकार, धन + वान **करने की बारी–(क)** 1. क्रिसमस 2. दीपावली 3. लोहड़ी 4. रक्षाबंधन 5. होली **(ख)** स्वयं करें।